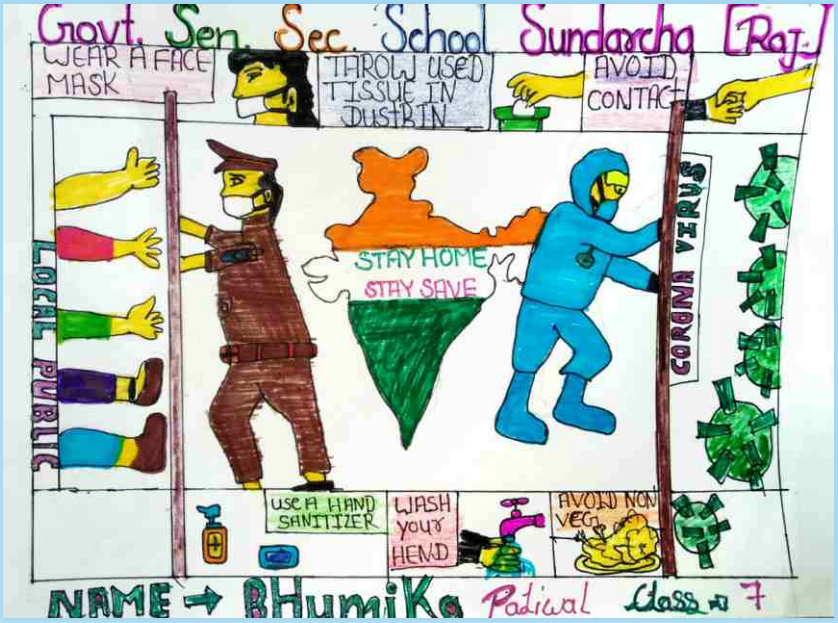
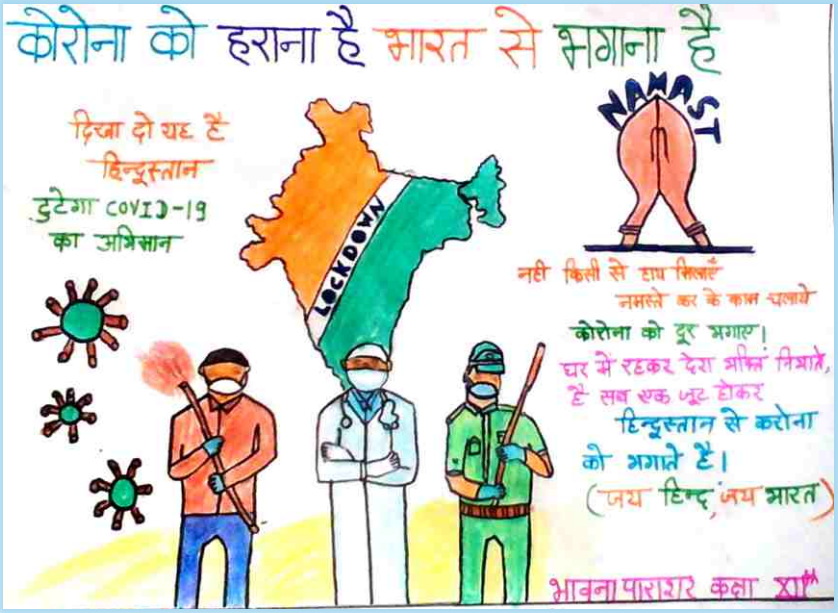
अंक 03 | अक्टूबर–दिसम्बर, 2020

Samagra Shiksha
GOVT OF RAJASTHAN
SCHOOL EDUCATION DEPARTMENT
RAJASTHAN COUNCIL OF SCHOOL EDUCATION

कोरोना से जंग जीत जाएंगे हम

गार्गी मंच द्वारा संदेश





प्रिय बच्चों

स्नेह भरा नमस्कार !

आशा है आप अपने घरों पर रहकर ही अपनी पढ़ाई में व्यस्त होंगे। अब तो आप समझ ही गये है कि कोरोना अपना कहर बरपा रहा है लेकिन लोग सावधान रहना भी सीख गये है, आप भी सावधानियां बरत रहे होंगे। बस तीन ही तो बातें है ध्यान रखने की–मुंह पर मास्क, हाथों को साबुन से धोते रहना और आपस में उचित दूरी रखना है, कोरोना को ना–ना–ना कहना ही पड़ेगा। आप सब समझदार हो गये है बस मस्त रहें और पढ़ाई में व्यस्त रहें।

इन दिनों आपने दूर–दूर रहकर खेलने वाले खेल भी सीखें होंगे। जरा हमें भी तो लिखकर भेजिये। अपनी पढ़ाई के भी तो नये–नये तरीके अपनाए होंगे उन्हें भी साझा करियें। आपके दूर–दूर जिलों के साथी भी आपसे सीखेंगे और आपको पहचानेंगे भी। हुई ना दूर–दूर पर नई दोस्त की बात।

चलिए अगले पत्र में फिर मुलाकात होगी।

डॉ. भंवर लाल,
आयुक्त एवं राज्य
परियोजना निदेशक

Shala Darpan @राजस्थान
unicef
Jatan

अभी तो शुरु हुआ है

अभी तो शुरू हुआ है समर ,
अभी तो पूरा मैदान बाकी है।
अभी तो उगें हैं पंख ,
अभी तो हौंसलों की उड़ान बाकी है।।
तेरी ही हिफाज़त के लिए ,
सड़कों पर तैनात खाकी है ....
कुछ पल ठहर जा ए परींदे ,
अपने सोने के आशियाने में,
अभी को होनी भोर बाकी है ...
क्या हुआ जो हार की शांति बिगुल बजा रही,
अभी तो जीत का शोर बाकी है....
और चाबे कट ही गई उम्मीदों की पतंग,
अभी तो हाथों में डोर बाकी है....
न डर इस महामारी से ,
न हो दुःखी अपनी इस लाचारी से।
न डरा, न रुका, न झुका जो कभी ,
अभी तो इस भारत में जान बाकी है।।
क्या हुआ जो टूटा है सपना,
अभी तो हकीकत की पहचान बाकी है।।।

कन्हैया राठौड़
हनुमानगढ, राजस्थान





शब्दों में ना बांधे

समय के घूमते पहिए के साथ न बदली वो
पीढ़ियों के बदलते चाल चलन के साथ न बदली वों।

इंसान व प्रकृति में आते प्रलय के साथ भी न बदली वों।

उसकी भूगिमाएं किन शब्दों में बांधू माँ के लिए गढ़े।
इस एक दिवस पर क्या लिखू वर्षों की अनगिनत कडियों को लड़ियों में जोडूं?

उसके लिए या एक दिवस निर्धारित न करें
उसे प्रतिदिन सर आँखों पर बिठाएं
हर दिन मातृत्व दिवस मनाएं

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय
जैसलमेर



बेटियां

बेटियाँ जान से प्यारी होती है बेटियाँ

ओंस की बूंद की तरह होती बेटियाँ
माँ–बाप की दुलारी होती है बेटियाँ

जान से प्यारी होती है बेटियाँ
माँ–बा पके दर्द में हमदर्द होती है बेटियाँ

रोशन करेगा बेटा तो बस एक ही कुल को
दो–दो कुल की लाज होती है बेटियाँ

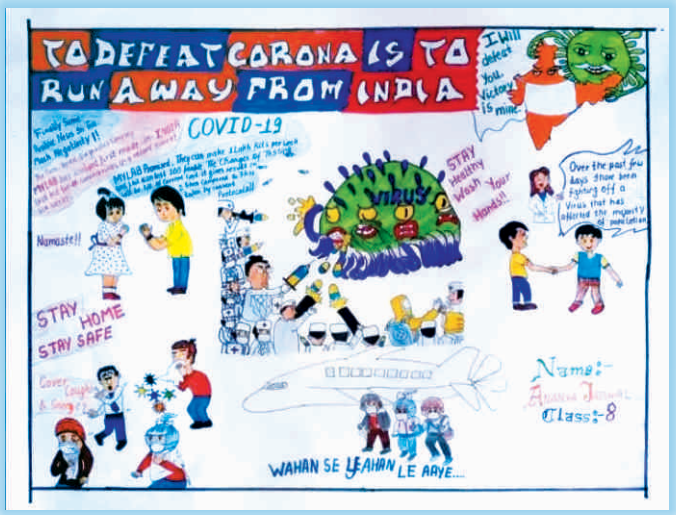
हार है अगर बेटा तो सच्चा मोती है बेटियाँ
कांटो की राह पर चलती है बेटियाँ

गर कहे तो प्यारी अमानत है बेटियाँ
लेकिन बेटो से भी अपनी होती है बेटियाँ

लाओ तुम्हारी लाड़ली को इंसान बना दूं।
दुनियाँ पुजे इतनी महान बना दूं।।

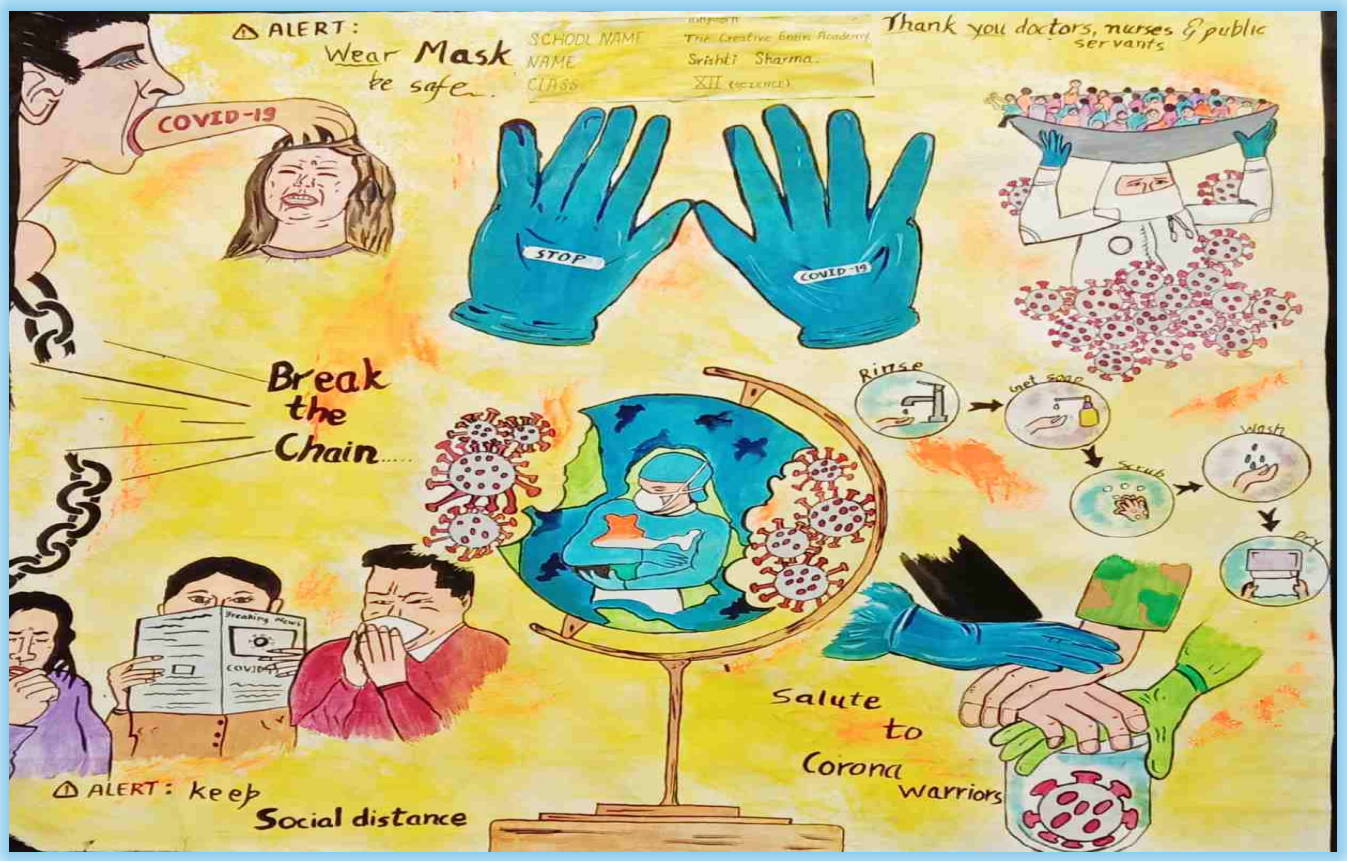


महरुम








ALERT:
Wear Mask
be safe.
SCHOOL NAME
NAME
CLASS
The Creative Brain Academy
Srishti Sharma
XII (SCIENCE)
Thank you doctors, nurses & public servants
COVID-19
STOP
COVID-19
Break the Chain.....
Rinse
Get Soap
Scrub
Wash
Dry
Salute to Corona warriors
ALERT: keep Social distance


VEER PATTA
कोरोना योद्धाओं को शत शत नमन
Yagyaksh Sisodiya
Class-VIII
Public School
Amet (Raj)
Rajsamand
Police
Nurse
Helper
Teacher
Doctor
Sweeper
Reporter